भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2859
दिनांक 18 मार्च, 2025

ओडिशा में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना

2859. श्री प्रदीप पुरोहित :

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की पश्चिमी ओडिशा में, जो कि एक महत्वपूर्ण धान उत्पादन क्षेत्र है एवं उसकी 70% आबादी खेती पर निर्भर है, तथ्य को ध्यान में रखते हुए कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने की कोई योजना है;

(ख) क्या सरकार बारगढ़ जिले में प्रस्तावित कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने पर विचार कर रही है, जो कि केंद्रीय रूप से स्थित है और नुआपाड़ा, कालाहांडी, बोलनगीर, संबलपुर, झारसुगुड़ा, देवगढ़, सोनपुर, सुंदरगढ़ और यहां तक कि छत्तीसगढ़ राज्य जैसे कई जिलों के साथ सीमा साझा करता है;

(ग) पश्चिमी ओडिशा में कृषि अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में कोई व्यवहार्यता अध्ययन किया है या ओडिशा राज्य सरकार से प्रस्ताव मांगा है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) एवं (ख) : वर्तमान में, पश्चिमी ओडिशा में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) : ओडिशा में निम्नलिखित 10 सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थान हैं जो कि कृषि अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहित करते हैं और किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं :

1. ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (OUAT), भुवनेश्वर
2. भाकृअनुप-केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान (CIWA), भुवनेश्वर
3. भाकृअनुप-राष्ट्रीय खुरपका एवं मुंहपका रोग संस्थान, अरूगुल, भुवनेश्वर

4. भाकृअनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
5. भाकृअनुप-केंद्रीय मीठा जलजीव पालन संस्थान, कौशल्यागंगा, भुवनेश्वर
6. भाकृअनुप-भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, चंद्रशेखरपुर, भुवनेश्वर
7. भाकृअनुप-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान का क्षेत्रीय स्टेशन, भुवनेश्वर
8. भाकृअनुप-कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय (DPR) का क्षेत्रीय स्टेशन, बारामुंडा, भुवनेश्वर
9. भाकृअनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBPGR), क्षेत्रीय स्टेशन, कटक
10. भाकृअनुप-केंद्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान (CRIJAF)-सिसल अनुसंधान स्टेशन, बामरा, सम्बलपुर

इसके अलावा, सरकार ने प्रौद्योगिकी मूल्यांकन, प्रदर्शन एवं राज्य सरकार के प्रसार कार्मिकों और किसानों के बीच क्षमता निर्माण के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की नई प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा में 33 कृषि विज्ञान केंद्र भी स्थापित किए हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों की गतिविधियों में शामिल हैं : विभिन्न कृषि प्रणालियों के अंतर्गत प्रौद्योगिकी की स्थान-विशिष्टता की पहचान करने हेतु ऑन-फार्म परीक्षण करना; किसानों के खेतों पर उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए अग्रिम-पंक्ति प्रदर्शन करना; ज्ञान एवं कौशल उन्नयन के लिए प्रसार कार्मिकों तथा किसानों का क्षमता निर्माण करना; एवं किसानों को उपलब्ध कराने के लिए गुणवत्ता बीजों, रोपण सामग्री का उत्पादन तथा अन्य प्रौद्यागिकी आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। किसानों के बीच उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता लाने हेतु कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा बड़ी संख्या में प्रसार गतिविधियां चलाई जाती हैं।

(घ) : वर्तमान में, ओडिशा में कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का केन्द्र सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है।

****